# • सुनो, पढ़ो और गाओ :

# ७. प्यारा देश

– हृदयेश मयंक

जन्म: १८ सितंबर १९५१ जौनपुर (उ.प्र.) रचनाएँ: मैं, शहर और सूरज, सायरन से सन्नाटे तक, अपने हिस्से की धूप आदि पिरचय: आप हिंदी के प्रसिद्ध कवि एवं लेखक के रूप में जाने जाते हैं। मंचों और गोष्ठियों में आपका योगदान सराहनीय है। प्रस्तुत कविता में कवि ने भारत की विविधता एवं विशेषताओं की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए अपने प्यारे देश का यशगान किया है



## सुनो तो जरा

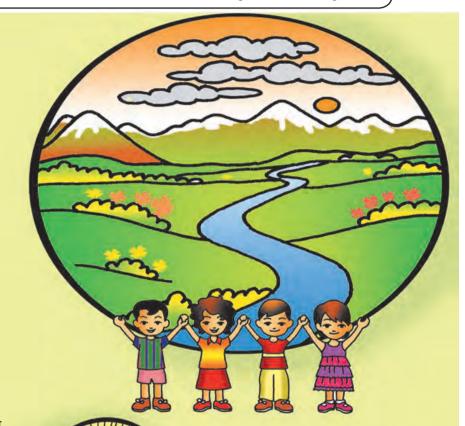
किसी अन्य भाषा में गाए जाने वाले देशप्रेम के गीत सुनो और साभिनय सुनाओ।

गंगा जिसकी अक्षुण्ण धरोहर यमुना-सा निर्मल मन जिसका ऐसा प्यारा देश है किसका ?

सबसे पहले सूरज आकर रच जाता सिंदूर सुबह का लाली किरणें चूनर बनतीं भोर करे शृंगार दुल्हन का हिमगिरि जैसा रक्षक जिसका ऐसा प्यारा देश है किसका ?

आसमान छूता मस्तक हो सागर उठ-उठ चरण धरे बाँहे हैं पंजाब, हिमांचल हिम में गंगा जल लहरे सोना-हीरा कण-कण जिसका ऐसा प्यारा देश है किसका ?

भाषाएँ खुद गहना बनकर रूप निखारें इस दुल्हन का हिंदी कुम-कुम बनकर सोहे बाँकी बनती छवि दर्पन का जन, गन, मन अधिनायक जिसका ऐसा प्यारा देश है किसका ?



खेतों के रक्षक किसान सीमाओं पर हैं तने जवान राम-कृष्ण, अल्ला सबके हैं पढ़ते सब गीता, कुरान हर पुत्री सावित्री जिसकी हर सपूत शिव-राणा जिसका ऐसा प्यारा देश है किसका ?

□ उचित हाव−भाव के साथ कविता का सामूहिक, साभिनय पाठ करवाएँ। किसी सैनिक/ महत्त्वपूर्ण व्यक्ति का साक्षात्कार लेने के लिए प्रेरित करें। अपने देश से संबंधित चार पंक्तियों की कविता करने के लिए कहें। अन्य प्रयाण/अभियान गीतों का संग्रह करवाएँ।



### मैंने समझा



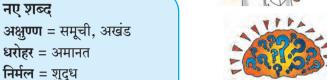
# शब्द वाटिका

### खोजबीन



इस वर्ष का सूर्यग्रहण कब है ? उस समय पशु-पक्षी के वर्तन-परिवर्तन का निरीक्षण करो और बताओ।

भूगोल सातवीं कक्षा पृष्ठ ७



## विचार मंथन

।। खेतों के रक्षक किसान, सीमा के रक्षक जवान।।



### वाचन जगत से

समाचार पत्र से बहादुरी के किस्से पढ़ो और संकलन करो।

\* गाँव/शहर का वर्णन चार पंक्तियों की कविता में लिखो।



सोहना = शोभित होना

सपूत = लायक पुत्र

छवि = सौंदर्य

#### भाषा की ओर

निम्नलिखित वाक्य पढ़ो तथा मोटे और

) शब्दों पर ध्यान दो :

परंतु क्योंकि अथवा और तो

- १. सर्वेश ने परिश्रम किया और इस परिश्रम ने उसे सफल बना दिया।
  - २. मैं कर्ज में डूबा था **परंतु** मुझे असंतोष न था।
- <mark>३. प्रगति <u>पत्र पर माता जी <mark>अथवा</mark> पिता जी के</mark> हस्ताक्षर लेकर आओ ।</mark></u>
  - ४. मैं लगातार चलता तो मंजिल पा लेता।
  - पुझे सौ-सौ के नोट देने पड़े क्योंिक दुकानदार के पास दो हजार के नोट के छुट्टे नहीं थे।

उपर्युक्त वाक्यों में **और, परंतु, अथवा, तो, क्योंकि** .... शब्द अलग-अलग स्वतंत्र वाक्यों या शब्दों को जोड़ते हैं। ये शब्द समुच्चयबोधक अव्यय हैं।

१. वाह!)क्या रंग-बिरंगी छटा है।

४. (अरे रे!) पेड़ गिर पड़ा।

३. शाबाश ! इसी तरह साफ-सुथरा आया करो ।

२. अरे ! हम कहाँ आ गए ?

४. छिः! तुम झूठ बोलते हो।

उपर्युक्त वाक्यों में वाह, अरे, शाबाश, अरे रे, छि:, ये शब्द क्रमशः खुशी, आश्चर्य, प्रशंसा, दुख, घृणा के भाव दिखाते हैं। ये शब्द विस्मयादिबोधक अव्यय हैं।